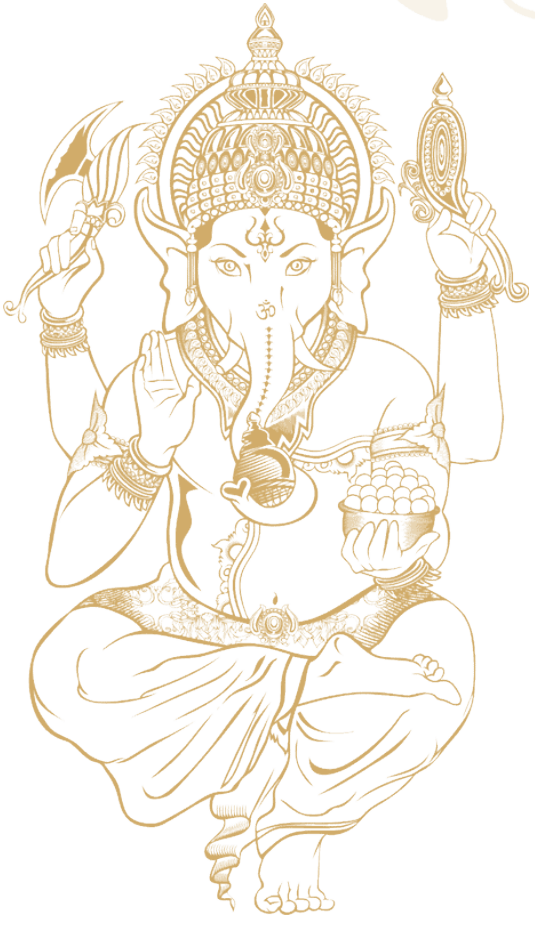

C.P.Rawat

23 Oct 1961

06:30 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121880704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/10/1961**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:30:00 घंटे**
इष्ट	31:14:07 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:33:32 घंटे
वेलान्तर	00:15:37 घंटे
साम्पातिक काल	20:40:22 घंटे
सूर्योदय	06:00:21 घंटे
सूर्यास्त	17:21:09 घंटे
दिनमान	11:20:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:33:50 तुला
लग्न के अंश	28:46:27 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वज्र
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	28:46:27	413:32:12	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	---
सूर्य			तुला	06:33:50	00:59:44	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	नीच राशि
चंद्र			मेष	01:48:37	14:26:42	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	21:34:45	00:41:47	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध	व	अ	तुला	04:52:53	01:13:58	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मक	05:25:17	00:05:35	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	नीच राशि
शुक्र			कन्या	13:23:25	01:14:26	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	नीच राशि
शनि			मक	00:27:42	00:02:31	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	स्वराशि
राहु	व		सिंह	01:46:13	00:09:24	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	01:46:13	00:09:24	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			सिंह	06:21:51	00:02:17	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	---
नेप			तुला	17:18:41	00:02:13	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
प्लूटो			सिंह	16:10:29	00:01:27	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	---
दशम भाव			मक	14:21:06	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:19:13

लग्न-चलित

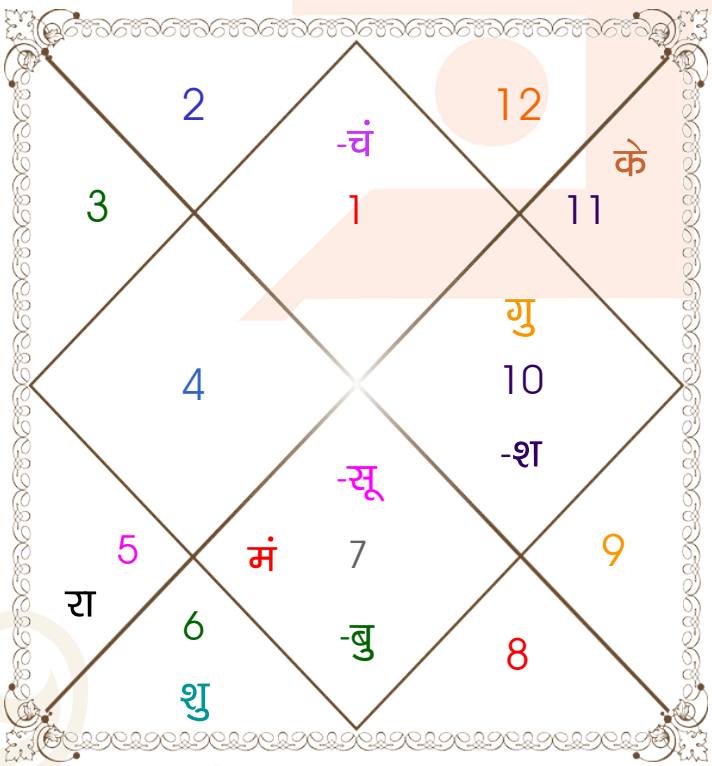

चन्द्र कुंडली

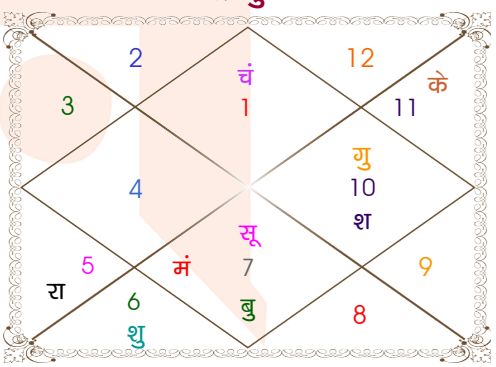

नवमांश कुंडली

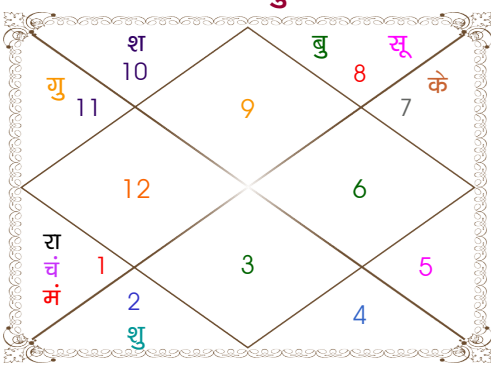

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 0 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/10/1961		11/11/1967		11/11/1987		10/11/1993		11/11/2003	
11/11/1967		11/11/1987		10/11/1993		11/11/2003		11/11/2010	
	23/10/1961	शुक्र	12/03/1971	सूर्य	28/02/1988	चंद्र	11/09/1994	मंगल	08/04/2004
शुक्र	08/06/1962	सूर्य	12/03/1972	चंद्र	29/08/1988	मंगल	12/04/1995	राहु	27/04/2005
सूर्य	14/10/1962	चंद्र	10/11/1973	मंगल	04/01/1989	राहु	11/10/1996	गुरु	02/04/2006
चंद्र	15/05/1963	मंगल	11/01/1975	राहु	29/11/1989	गुरु	10/02/1998	शनि	12/05/2007
मंगल	11/10/1963	राहु	10/01/1978	गुरु	17/09/1990	शनि	11/09/1999	बुध	08/05/2008
राहु	29/10/1964	गुरु	10/09/1980	शनि	30/08/1991	बुध	09/02/2001	केतु	05/10/2008
गुरु	05/10/1965	शनि	11/11/1983	बुध	05/07/1992	केतु	11/09/2001	शुक्र	05/12/2009
शनि	14/11/1966	बुध	11/09/1986	केतु	10/11/1992	शुक्र	12/05/2003	सूर्य	12/04/2010
बुध	11/11/1967	केतु	11/11/1987	शुक्र	10/11/1993	सूर्य	11/11/2003	चंद्र	11/11/2010

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/11/2010		10/11/2028		10/11/2044		11/11/2063		10/11/2080	
10/11/2028		10/11/2044		11/11/2063		10/11/2080		00/00/0000	
राहु	24/07/2013	गुरु	29/12/2030	शनि	14/11/2047	बुध	09/04/2066	केतु	08/04/2081
गुरु	17/12/2015	शनि	12/07/2033	बुध	24/07/2050	केतु	06/04/2067	शुक्र	23/10/2081
शनि	23/10/2018	बुध	18/10/2035	केतु	02/09/2051	शुक्र	04/02/2070		00/00/0000
बुध	12/05/2021	केतु	22/09/2036	शुक्र	02/11/2054	सूर्य	11/12/2070		00/00/0000
केतु	30/05/2022	शुक्र	24/05/2039	सूर्य	15/10/2055	चंद्र	12/05/2072		00/00/0000
शुक्र	30/05/2025	सूर्य	12/03/2040	चंद्र	15/05/2057	मंगल	09/05/2073		00/00/0000
सूर्य	24/04/2026	चंद्र	12/07/2041	मंगल	24/06/2058	राहु	26/11/2075		00/00/0000
चंद्र	24/10/2027	मंगल	18/06/2042	राहु	30/04/2061	गुरु	03/03/2078		00/00/0000
मंगल	10/11/2028	राहु	10/11/2044	गुरु	11/11/2063	शनि	10/11/2080		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 0 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म कृतिका नक्षत्र के प्रथम चरण में जब मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था उस समय हुआ था। आपके जन्म काल धनु राशि का नवमांश एवं धनु राशि द्रेष्काण का प्रभाव पड़ रहा था। आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप अपना जीवन सुख पूर्वक आरामदायक वातवारण के साथ व्यतीत करेंगे।

बुनियादी तौर पर आप अपने कर्म पर विश्वास करने वाले प्राणी हैं। तथाकथित रूप से आप अपने जीवन को सेवा योग्य एवं मानवता युक्त विचार से संभावित रूप में व्यतीत करेंगे। अस्तु सह संभाव है कि आप अपने अगले पुनर्जन्म में ज्योतिर्मय आत्मा से प्रवेश करेंगे। अर्थात् वर्तमान जीवन के कार्य कलाप उत्तमता से प्रस्तुत कर संपादित करेंगे।

आप दुबले-पतले, औसतन लंबे, मांसल शरीर से युक्त, एक संयमी प्राणी होंगे। आप में अदम्य उत्साह, संभव शक्ति, संपन्न, आध्यात्मिक भावनाओं से युक्त, आत्मनिश्चयी, अपने उद्देश्य के पीछे चलने वाले तथा अपने कार्य कलापों को सीमा तक ले जाने वाले व्यक्ति हैं। आपकी यह जन्मजात प्रवृत्ति ईश्वरीय प्रदत्त है कि आप संभव प्रयत्नशील रहकर पूर्ण धन प्राप्त करके अपने कामप्रिय एवं सुखमय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप बुद्धिमान एवं उच्चकोटि के महत्वकांक्षी सत्तालोलुप प्राणी हैं। आप में अपनी पूर्ण योजनाओं अर्थात् कार्यकलापों को व्यवस्थित ढंग से सुविधापूर्वक संचालित करने की क्षमता विद्यमान हैं। आप में दूसरा यह गुण भी विद्यमान है कि आप चाहे कोई भी कार्य शुरू करने का निश्चय करते हैं। उसको निश्चित रूप से पूरा कर लेते हैं।

आप अपनी आंतरिक चतुरता से जिस कार्य में हाथ लगाते हैं। उसको कठोरता पूर्वक ग्रहण कर अन्दरूनी समस्याओं को समाधान करने में सक्षमता प्राप्त कर सकते हैं। आप किसी भी समस्याओं का समाना करने के लिए तथा अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु उसके पीछे पड़ जाते हैं। इस क्षण चाहे किसी की किसी भी प्रकार की अच्छी राय या सबक हो उसे कठोरता पूर्वक नकार देते हैं। आपको यह सहजता पूर्वक अपने-अपने कार्य के प्रति अग्रसर होना तथा परिस्थिति को नियंत्रित रखना, आपकी विशेष योग्यता का परिचायक है।

विशेषतः आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अपरिवर्तनीय आकर्षण से विपरीत योनि के कोई भी सदस्य आपकी विनोदप्रियता के कारण इच्छा रख कर भी प्रेमालिंगन नही कर पाते हैं। परंतु इसका यह अर्थ नही कि आपका दांपत्य जीवन भी अस्त व्यस्त है। अर्थात् आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्ण आस्थावान और समर्पित हैं।

आप अपनी माता के लिए सभी कुछ त्याग कर भी अपनी माता के साथ अच्छी प्रकार से तारतम्य मिलाकर अपने बच्चों एवं पत्नी को भी प्यार करते हैं। वास्तविकता तो यह है कि आपके कंधे पर पारिवारिक संपूर्ण दायित्व निर्भर है, तथा आपके द्वारा ही परिवार का प्रर्याप्त हित संभाव है।

आप मसालेदार और रूचिकर भोजन पसंद करते और बहुत अधिक खाते हैं।

स्वाभाविक रूप से बहुत भोजन करना, जिससे अच्छी पाचन क्रिया न हो वैसा भोजन आपके लिए दुःखकारक होगा। इसलिए वासी, अम्लीय खाद्य तथा अचार, मसाला युक्त व्यंजन नही ग्रहण करें। आपको सदैव और लगातार हरी शाक-सब्जी भोजन करना चाहिए। आपके लिए संचालित व्यवसाय से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्य, अथवा रसायनिक वस्तुओं का उत्पादन करना आपके लिए अनुकूल व्यवसाय होगा। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। सामान्यतया छोटी मोटी कोई चोट आदि की आशंका है। दुर्घटना से आपके माथे पर कोई गंभीर चोट न लग जाए। अतः आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव जागरूक रहना चाहिए। आपको सदैव ही भीड़-भार से बचकर अपेक्षित और सतर्कता पूर्वक पथ को पार करना चाहिए।

आपको अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर अपने सिरो वेदना के तकलीफ से छुटकारा पाने के लिए राय लेनी चाहिए। आपको साधारण तौर पर मस्तिष्क से संबंधित अथवा अनिद्रा जैसी छोटे रोग की संभावना है। आपको स्वस्थ जीवन बिताने के लिए संबंधित सतर्कता बरतनी चाहिए। स्वास्थ जीवन बिताने के लिए उपाय से अधिक रोग से बचाव करना श्रेयस्कर होगा।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।
आपके लिए व्यवहारणीय अंक 9 एवं 1 अंक भाग्यशाली अंक है।

आपके व्यवहार के लिए लाभदायक एवं अनुकूल रंग, लाल, ताम्रवर्णी, स्वर्णिम एवं पीला रंग के वस्त्रादि है। इसके अतिरिक्त काला रंग या काले रंग का वस्त्रादि आपके लिए अनुकूल नही हैं।